Sawariya Sarkar Mere Pyare | By Ritu Sharma

सांवरिया सरकार मेरे प्यारे
कहलाते हो तुम हारे के सहारे
मेरी जीवन नैया के तुम रखवारे
शीश के दानी लखदातार हमारे

जब मीरा ने नाम रटा था तुमने उनको तारा था
समा के विष के प्याले में विष को अमृत कर डाला था
नाम अमर मीरा का तुम कर डाले
कहलाते हो तुम हारे के सहारे

जब द्रौपदी टेर लगाईं नंगे पैरो दौड़ा था
लाज बचा कर बहना की भाई का फ़र्ज़ निभाया था
भरी सभा बहना का चीर बढ़ाये
कहलाते हो तुम हारे के सहारे

भिक्षुक बन मित्र सुदामा तेरे द्वारे आया था
अंसुवन से चरणों को धो कर उनको गले लगाया था
दूर किये हैं उनके संकट सारे
कहलाते हो तुम हारे के सहारे

छाई घनघोर घटाएं और दुःख का भी अँधियारा था
रितु के हर संकट को बाबा तुमने ही टाला था
शर्मा की नैया तुम पार लगाए
कहलाते हो तुम हारे के सहारे

https://bhaktivandana.com/lyrics/sawariya-sarkar-mere-pyare-by-ritu-sharma/